फागण की मस्त बहार | By Deepak Sharma

छाई फागण की मस्त बहार
चलो सब खाटू चलो
खाटू चलो सब खाटू चलो रे
खाटू वाले का सच्चा दरबार
चलो सब खाटू चलो

चंग बजाओ गुलाल उड़ाओ
सांवरिये को रंग लगाओ
केसर चन्दन की होगी बौछार
चलो सब खाटू चलो

बागा पहरा घेर घुमेरा
मोह लिया बाबा ने मन मेरा
कैसा अद्भुत किया श्रृंगार
चलो सब खाटू चलो

फागुन का ये मस्त महीना
जब तक जियूं छूटे कभी ना
मेरी बाबा से जुड़ गयी तार
चलो सब खाटू चलो

बिनती हमारी तुम सुन लेना
सब भक्तों को तुम रंग देना
दीपक भानु भी गाये मंगलाचार
भानु गाये है मंगलाचार
चलो सब खाटू चलो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%ac%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-deepak-sharma/